बुधवार
09 अप्रैल 2025
- देहरादून
- वर्ष 33
- अंक 70
- पृष्ठ 8
- मूल्य ₹ 1.00

33 साल से देहरादून का विश्वास

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक

आर.एन.आई. : 59626/94

email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com

डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

जिला कारागार हरिद्वार में मिले

15 कैदी एचआईवी पॉजिटिव

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। जिला कारागार हरिद्वार में 15 एचआईवी पॉजिटिव मिलने से हड़कंप मच गया विश्व स्वास्थ्य दिवस के मौके पर 7 अप्रैल को जेल में लगाए गए स्वास्थ्य शिविर के दौरान 15 कैदी एचआईवी पॉजिटिव पाए गए हैं।

वरिष्ठ जेल अधीक्षक मनोज कुमार आर्य ने जानकारी देते हुए बताया कि जांच रिपोर्ट में एचआईवी संक्रमण की पुष्टि होने के बाद सभी संक्रमित कैदियों को एक अलग बैरक में शिफ्ट कर दिया गया है, ताकि संक्रमण के प्रसार को रोका जा सके। उन्होंने बताया कि इन कैदियों का नियमानुसार उपचार शुरू कर दिया गया है और जेल में अन्य कैदियों के बीच कोई भ्रम या डर ना फैले, इसके लिए जागरूकता कार्यक्रम भी चलाए जा रहे हैं।

बता दे कि वर्तमान में जिला कारागार में इस समय करीब 1100 बंदी हैं। यह कोई पहला मामला नहीं है, इससे पहले वर्ष 2017 में भी मेडिकल जांच के दौरान 16 कैदी एचआईवी पॉजिटिव पाए गए थे। वरिष्ठ जेल अधीक्षक ने स्पष्ट किया कि जेल प्रशासन इस स्थिति को गंभीरता से ले रहा है और भविष्य में ऐसी घटनाओं से बचाव के लिए स्वास्थ्य परीक्षण और जागरूकता कार्यक्रमों को और अधिक सशक्त बनाया जाएगा।

दून वैली मेल

संपादकीय

आसान नहीं कांग्रेस की लड़ाई

कांग्रेस द्वारा गुजरात के अहमदाबाद में सीडब्ल्यूसी की बैठक में कांग्रेसी नेताओं द्वारा सांप्रदायिक विभाजन की राजनीति को राष्ट्र के लिए बड़ा खतरा बताते हुए इस ध्रुवीकरण की राजनीति से लड़ने का संकल्प लिया गया है। तथा सरदार पटेल के वैचारिक विचार पर काम करने का फैसला लिया है। कांग्रेस नेताओं की इस चिंता को कतई भी गैरबाजिव नहीं माना जा सकता है क्योंकि विगत कुछ सालों में देश के समाज में नफरत और हिंसा का एक ऐसा माहौल तैयार हो चुका है जो देश के समाज को विखंडन की ओर धकेल रहा है। वोटो के ध्रुवीकरण के लिए जाति-धर्म और क्षेत्रवाद के मुद्दे को हवा दी जा रही है और लोगों को आपस में लड़ाने की कोशिशे हो रही है। स्वतंत्रता के पहले पांच दशक तक इस देश की राजनीति में धर्मनिरपेक्षता की राजनीति सबसे अधिक प्रभावशाली रही। संविधान में इस शब्द का विशेष प्रयोग जिस वृहद विचार के साथ किया गया है वह इस देश के लोकतंत्र की मूल भावना से जुड़ा हुआ है। सर्वधर्म सम्भाव और सभी धर्म और जातियों के लोगों के लिए समान अवसर प्रदान करने की हिमायत करने वाले इस धर्मनिरपेक्ष शब्द के सहारे देश की राजनीति और सत्ता पर कांग्रेस काबिज रही। लेकिन धीरे-धीरे मंडल और कमंडल की राजनीति ने धर्मनिरपेक्षता के इस मिथक को तोड़ दिया और आज देश हिंदुत्व के एजेंडे तथा हिंदू राष्ट्र के घोड़े पर सवार हो चुका है। बात चाहे हम किसी भी राष्ट्र की करें मुस्लिम राष्ट्र या हिंदू राष्ट्र की अवधारणा का मतलब धर्मनिरपेक्षता और लोकतांत्रिक व्यवस्था दोनों से ही किनारा कर लेना है। हिंदुस्तान में एक देश एक पहचान से लेकर एक देश एक चुनाव एक देश एक विधान जैसी तमाम पहलों को पीछे सिर्फ एक ही मकसद है और वह ध्रुवीकरण की राजनीति। भले ही कांग्रेस के नेताओं द्वारा अपनी चिंतन बैठक में ध्रुवीकरण की राजनीति का मुकाबला करने की बात कही जा रही हो लेकिन क्या कांग्रेस और उसके नेताओं के लिए ऐसा कर पाना बहुत आसान होगा। खास तौर से एक ऐसे वक्त में जब भाजपा संगठनात्मक रूप से इतनी मजबूत हो चुकी है कि समाज में हर घर और व्यक्ति को अपने प्रभाव में ले चुकी है खास तौर पर देश के हिंदुओं को यह लगने लगा है कि भाजपा के अलावा अन्य कोई भी दल उसे सामाजिक सुरक्षा प्रदान नहीं कर सकता है। इस बैठक में राहुल गांधी ने जिस बात पर चिंता जताई है कि पहले कांग्रेस को सभी वर्ग के लोगों का वोट मिलता था लेकिन धीरे-धीरे ओबीसी वर्ग कांग्रेस से दूर होता चला गया और जब तक सभी वर्ग कांग्रेस के साथ नहीं आते हैं तब तक कांग्रेस का कुछ भला नहीं हो सकता है। यह सोच भले ही सच-सही लेकिन कांग्रेस के लिए यह कर पाना बहुत जटिल काम होगा वही इससे भी ज्यादा मुश्किल है कांग्रेस के संगठन को फिर से इतना मजबूत बनाना जितना वर्तमान दौर में भाजपा का सांगठनिक ढांचा मजबूत है। कांग्रेस की सत्ता में वापसी का रास्ता अब उतना आसान है नहीं जितना कांग्रेस समझ रही है।

घर में घुसकर मारपीट करने पर जेठानी पर मुकदमा दर्ज

संवाददाता

देहरादून। घर में घुसकर मारपीट कर जान से मारने की धमकी देने के मामले में जेठानी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार देवलोक कालोनी ईश्वर विहार निवासी शिल्पा देवी ने रायपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसका जेठ मनीत व श्रीमती रेखा पत्नी ललीत व श्रीमती ज्योति पत्नी सनित कुमार निवासी न्यू बस्ती सहस्त्रधारा रोड देहरादून, उसके घर स्थित देवलोक कालोनी, ईश्वर बिहार, रायपुर रोड पर आये तथा उसके घर के अन्दर जबरन घुस गये तथा उसको व उसके अबोद नाबालिक बच्चों के साथ मार पिटायी शुरू कर दी जिससे उसकी अबोद बालिका नेना के सिर पर गंभीर चोटे आई वह अपने बच्चों की जान बचाने के लिए रोने चिल्लाने लगी तो वह उसको उसके घर से बाहर खदेड़ने पर आमदा हो गए। उक्त व्यक्ति अपने साथ लाए हथोडा आदि हथियारो से उसका बाथरूम व बॉउडरी वॉल को जबरन तोडने लगे, उनके द्वारा बाथरूम को तोडकर क्षतिग्रस्त किया गया तथा उसमें पीछे कि तरफ से अन्दर घुस गए व कहने लगे कि इस सम्पति को तत्काल खाली कर अन्यन्त्र चले जाए वरना जान से पूरे परिवार को खत्म कर देंगे, उसने जैसे-तैसे उनसे अपनी व अपनी नाबालिक बच्चों कि जान बचाई, उसके पति का मई 2021 में स्वर्गवास हो गया था यह उसको विधवा व अकेला समझ कर उसके मकान व दुकान को हडपना चाहते है तथा उसको जबरन बेदखल करना चाहते है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

शराब के साथ महिला गिरफ्तार

संवाददाता

उत्तरकाशी। पुलिस ने शराब के साथ महिला को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।प्राप्त जानकारी के अनुसार अवैध शराब के विरुद्ध कार्रवाई करते हुये थाना पुरोला पुलिस द्वारा नई पार्किंग, पुरोला रोड नौगांव के पास से निर्मला पत्नी स्व. चन्दू लाल निवासी नौगांव थाना पुरोला उत्तरकाशी को 05 लीटर अवैध शराब के साथ गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

'मेरा वोट मेरा मेरा अधिकार' अभियान के तहत मतदाता संरक्षण समिति का गठन

संवाददाता

रूद्रपुर। कांग्रेस कमेटी ने मेरा वोट मेरा अधिकार अभियान के तहत मतदाता संरक्षण समिति का गठन किया।

आज यहां भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के निर्देश पर उत्तराखंड कांग्रेस कमेटी ने मेरा वोट, मेरा अधिकार अभियान के तहत मतदाता संरक्षण समिति गठित की है, जिसमें प्रदेश सह संयोजक अभिनव थापर को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दी है। इसी अभियान के तहत रुद्रपुर पहुंचे अभिनव थापर का पार्टी कार्यकर्ताओं ने गर्मजोशी से शॉल व फूल मालाओं से स्वागत अभिनंदन किया।

थापर ने पार्टी कार्यकर्ताओं,वरिष्ठ नेताओ, निकाय चुनावों में पार्टी के अधिकृत प्रत्याशियों के साथ एक विस्तृत बैठक कर व्यापक चर्चा करने के बाद थापर ने प्रेस को संबोधित करते हुए कहा कि कांग्रेस के केंद्रीय नेतृत्व ने यह विस्तृत ट्रेनिंग कार्यक्रम 'मेरा वोट मेरा अधिकार' की प्रदेश स्तरीय कार्यकारिणी गठित की है, मेरा वोट - मेरा अधिकार का कांग्रेस पूरे प्रदेश में विस्तृत चरणबद्ध अभियान चलायेगी 14 अप्रैल 2025 को

इस अभियान के प्रथम चरण पर प्रदेश समिति विस्तृत ब्यौरा प्रस्तुत करेगी। अभी समित पूरे प्रदेश के 102 निकायों में आरटीआई के माध्यम से सूचना प्राप्त कर यह जानकारी जुटा रही है कि क्यों भारी संख्या में मतदाताओं के नाम काटे गए, या बढ़ाएं गए। इस असंवैधानिक कार्य से लोकतंत्र की हत्या हुई है। भविष्य में इस कृत्य में जो कोई भी संलिप्त पाया जायेगा उसके खिलाफ सख्त कार्यवाही की मांग की जाएगी। यद्यपि राज्य निर्वाचन ने जांच के आदेश दिए है, तथापि हमारा यह अभियान जारी रहेगा। उत्तराखंड मताधिकार संरक्षण समिति ने उत्तराखंड में जिलेवार, नगर निगम वार विस्तृत कार्यक्रम बना लिया है, और प्रदेश भर में वंचित वोटरों से त्न्र् लगा कर चुनाव आयोग से नाम काटने के कारण जाने जाएंगे। बैठक में मेरा वोट मेरा अभियान के रुद्रपुर प्रभारी अभिनव थापर, जिलाध्यक्ष हिमांशु गाबा, महानगर अध्यक्ष सी पी शर्मा, विधानसभा प्रत्याशी मीना शर्मा, काशीपुर नगर निगम प्रत्याशी संदीप सहगल, खटीमा नगरपालिका प्रत्याशी बॉबी राठौर, सीतागंज विधानसभा पूर्व प्रत्याशी नवतेज पाल सिंह, बाजपुर के सभासद, गदरपुर व अन्य क्षेत्र के नेताओं ने भाग लिया।

सरकार विरोधी नारेबाजी करने पर अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज

संवाददाता

देहरादून। प्रभारी करनपुर ओमप्रकार ने डालनवाला कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि अज्ञात लोगों द्वारा एक राय होकर सडक पर सरेआम बैठकर लोक मार्ग को अवरूद्ध करने व सरकार विरोधी नारेबाजी कर उत्पात मचाकर सरकारी कार्य में बाधा डालना व सरकारी विभागों द्वारा लगाये गये पोस्टरों व होर्डिंग को तोडकर नुकसान पहुंचाया गया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

लाठी डण्डों से हमला कर किया घायल

देहरादून (सं)। लाठी डण्डों से हमला कर घायल करने के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार नवादा निवासी अतुल धारीवाल ने पटेलनगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि प्रकाशदीप अस्पताल के डाक्टर अनिल प्रकाश की शादी की सालगिराह की पार्टी होटल स्थित माजरा में थी जिसमें अस्पताल के सभी स्टाफ आमत्रित थे और वह भी पार्टी में गया था पार्टी समाप्त होने के बाद कुछ लोग घर चले गये एंव कुछ लोग अस्पताल आ गये समय लगभग रात्रि अस्पताल का स्टाफ शिवम मलिक निवासी- रेहति जागिर, बिजनौर ने अपने साथ लडके बुलाकर अस्पताल के स्टाफ अभय तोमर निवासी कन्कर खेडा, मेरठ उत्तरप्रदेश अस्पताल के पास स्थित पेट्रोल पम्प के परिसर में अचानक लाठी-डंडो एंव पत्थरों द्वारा हमला कर दिया उनके अस्पताल के स्टाफ द्वारा बीच-बचाव करने का प्रयास किया गया किन्तु नहीं माने और मारपीट करते रहे एंव गालियां देते रहे उनके द्वारा अभय तोमर को जान से मारने का प्रयास किया गया अभय तोमर के शरीर में काफी गम्भीर चोटें आयी है जो वर्तमान में प्रकाशदीप के आईसीयू में भर्ती है और गम्भीर अवस्था में भर्ती है।

भाजपा के 46वें स्थापना दिवस के अवसर पर कैंट विधानसभा में सक्रिय सदस्यता सम्मेलन आयोजित

संवाददाता

देहरादून। भारतीय जनता पार्टी के 46, वें स्थापना दिवस के अवसर पर कैंट विधानसभा द्वारा आयोजीत सक्रिय सदस्यता सम्मेलन की अध्यक्षता सरदार पटेल मंडल के अध्यक्ष आशीष शर्मा द्वारा की गई । इस दौरान कार्यक्रम में मुख्य वक्ता महानगर अध्यक्ष सिद्धार्थ उमेश अग्रवाल, प्रदेश उपाध्यक्ष राज्यमंत्री कुलदीप कुमार, कैंट विधायक सविता कपूर ने भी कार्यक्रम को सम्बोधित किया।

महानगर अध्यक्ष सिद्धार्थ उमेश अग्रवाल ने सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी दो सांसदों से लेकर आज विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी के रूप में उभरकर सामने आई है ये सब भाजपा करोडो कार्यकर्ताओं की वजह से ही संभव हुआ हैं। उन्होंने कहा आप जैसे सक्रिय सदस्य जनता के बीच में जाकर पार्टी की रीति नीति को बढ़ाने का काम करते हैं सरकार की योजनाओं को लेकर जनता के बीच में निरंतर कार्य करते रहते हैं इसी वजह से आज विश्व की सबसे बड़ी पार्टी बनने का सौभाग्य मिला।

सम्मेलन में प्रदेश अध्यक्ष किसान मोर्चा जोगिंदर सिंह पुंडीर , प्रदेश मंत्री आदित्य चौहान , मंडल अध्यक्ष राहुल चौहान, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य सचिन गुप्ता, कुंवर जपेन्द्र, महानगर मंत्री गोविंद मोहन , महानगर अध्यक्ष किसान मोर्चा प्रदीप दुग्गल ,पार्षद मीनाक्षी मौर्य, रेनू गेल , प्रवीण नेगी , अंकित अग्रवाल , संजय सिंघल ,महानगर उपाध्यक्ष महिला मोर्चा सुमन सिंह, पूर्व मंडल अध्यक्ष अंजू बिष्ट, पूर्व मंडल अध्यक्ष बबलू बंसल , मनोज काम्बोज , अजय सिंह , राज डिमरी , मुकेश डबराल, रणजीत सेमवाल, विजय गुप्ता, शेखर नौटियाल , संजय अरोड़ा , संतोष कोठियाल, राजकुमार तिवारी, नीरज रतुडी ,गौरव शर्मा , एवं विधानसभा के समस्त समानित ज्येष्ठ श्रेष्ठ पदाधिकारी गण कार्यकर्ता गण उपस्थित रहे।

रोजाना सुबह कुछ मिनट थपथपाएं अपने अंडर आर्म्स, मिलेंगे स्वास्थ्य लाभ

सुबह उठकर लोग कई स्वस्थ आदतों का पालन करते हैं, जिनमें दांत साफ करना और योग करना शामिल होता है। इन दिनों ऐसी ही एक आदत चर्चा में है, जिसे रोजाना सुबह करने से सेहतमंद रहने में मदद मिल सकती है।

इसमें सुबह उठने के बाद कुछ मिनट तक अपने अंडर आर्म्स को थपथपाना शामिल होता है।

आइए जानते हैं की इसे अपनाने से आपको क्या-क्या स्वास्थ्य लाभ मिल सकते हैं।

इस तरह से थपथपाएं अपने अंडर आर्म्स

अंडर आर्म्स को थपथपाना बेहद आसान होता है और इसमें चंद मिनट ही लगते हैं। इसके लिए सबसे पहले अपने हाथ को ऊपर उठाएं और उंगलियों को अंडर आर्म पर धीरे-धीरे फेरें।

इस दौरान गहरी सांसें लेते रहें और करीब 5 मिनट तक इसे दोहराएं। इसी तरह दूसरे हाथ के अंडर आर्म को भी थपथपाएं।

आप चाहें तो इसे करते समय अपने अंडर आर्म्स पर किसी प्रकार का तेल भी लगा सकते हैं।

लसीका तंत्र में भरा तरल निकलता है

हमारे अंडर आर्म्स लिम्फ नोड्स से भरे होते हैं, जो विषाक्त पदार्थों से छुटकारा पाने के लिए जरूरी होते हैं। जब आप अंडर आर्म्स को थपथपाते हैं तो लसीका तंत्र सक्रिय हो जाता है।

इससे शरीर बेहतर तरीके से डिटॉक्स हो जाता है और लसिका तंत्र में भरा तरल पदार्थ भी बाहर निकल जाता है।

इससे तरल का निर्माण भी कम हो सकता है और प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूती भी मिल सकती है।

हार्मोनल असंतुलन ठीक होता है

अंडर आर्म्स एंडोक्राइन सिस्टम यानि अंतःस्रावी तंत्र से जुड़े होते हैं। यह तंत्र हार्मोन को नियंत्रित रखने के लिए जिम्मेदार होता है।

अंडर आर्म्स को थपथपाने से यह तंत्र उत्तेजित हो जाता है, जिससे हार्मोन को नियंत्रित रखने में मदद मिलती है। इसका असर खास तौर से तनाव और चयापचय से संबंधित हार्मोन पर नजर आता है।

इस आदत को अपनाने से आपका मूड बेहतर हो सकता है और संपूर्ण स्वास्थ्य का समर्थन हो सकता है।

स्वस्थ बनती है त्वचा

त्वचा विशेषज्ञ बताते हैं कि अंडर आर्म्स को थपथपाने से त्वचा की देखभाल में भी मदद मिल सकती है।

इस आदत के जरिए रक्त प्रवाह बेहतर हो जाता है, जो त्वचा के लिए बहुत फायदेमंद साबित होता है।

इससे त्वचा की कोशिकाओं को पर्याप्त ऑक्सीजन और पोषण मिलते हैं और वह निखरी बनी रहती है। साथ ही, इससे शरीर में होने वाली जलन और दुर्गंध से भी छुटकारा मिल जाता है।

ऊर्जा में होती है बढ़ोतरी

चीन के लोग अंडर आर्म्स को थपथपाने की आदत का नियमित रूप से पालन करते हैं। चीनी चिकित्सा के अनुसार, यह अंग शरीर के ऊर्जा मार्गों से जुड़ा होता है।

इसे थपथपाने से रक्त प्रवाह बेहतर होता है और ऊर्जा भी बढ़नी शुरू हो जाती है। अगर आप रोजाना करीब 10 मिनट का समय निकालकर अंडर आर्म्स को थपथपा लेंगे तो आप पुरे दिन ऊर्जावान और सक्रीय महसूस करेंगे।

यह आदत तनाव से छुटकारा दिलाने में भी योगदान देगी।

सनी देओल की जाट में शामिल हुई उर्वशी रौतेला

अभिनेता सनी देओल काफी समय से अपनी आगामी फिल्म जाट को लेकर चर्चा में बने हुए हैं, जिसके निर्देशन की कमान गोपिचंद मालिनेनी संभाली है।

बताया जा रहा है कि यह सनी के करियर की अब तक की सबसे बड़ी एक्शन फिल्म होगी, जिसका दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

अब जाट की स्टार कास्ट में अभिनेत्री उर्वशी रौतेला शामिल हो गई हैं। वह फिल्म के गाने टच किया में डांस करती नजर आएंगी।

टच किया गाने का प्रोमो सामने पिछले दिनों सामने आया था जिसमें जिसमें उर्वशी को डांस करते हुए देखा जा सकता है।

जाट में सनी का सामना एक नहीं, बल्कि 6 खलनायकों से होने वाला है, जिनमें से एक रणदीप हुड्डा भी हैं। सैयामी खेर भी इसका हिस्सा हैं।

यह फिल्म 10 अप्रैल, 2025 को सिनेमाघरों में दस्तक देने को तैयार है। फिल्म हिंदी, मलयालम, तेलुगू, कन्नड़ और तमिल भाषा में रिलीज होगी।

वजन कम करने में मदद करती है ग्रीन टी ?

जब बात फिटनेस और स्वास्थ्य की आती है तो ग्रीन टी का नाम लगभग हर किसी की जुबान पर आता है। इसका मुख्य कारण यह है कि इसमें बायोएक्टिव पदार्थों के साथ-साथ एंटी-ऑक्सीडेंट गुण मौजूद होते हैं, जो मेटाबॉलिज्म तेज करके शरीर की अतिरिक्त चर्बी को कम करने समेत कई तरह के स्वास्थ्य लाभ देने में सक्षम है। आइए आज हम आपको बताते हैं कि वजन घटाने में ग्रीन टी का सेवन कैसे मदद करता है।

वजन घटाने में काफी मदद कर सकती है ग्रीन टी

विशेषज्ञों ने बताया कि ग्रीन टी शरीर में ग्लूकोसिडेज, पैंक्रियाटिक लाइपेज और एमाइलेज जैसे एंजाइमों को रोकती है, जो आंतों में कार्बोहाइड्रेट और फैट के निर्माण के लिए जिम्मेदार होते हैं। ऐसे जटिल अणुओं को कम करके ग्लूकोज और फैटी एसिड जैसे सरल अणुओं का अवशोषण भी कम हो जाता है। वहीं, वजन घटाने के लिए ग्रीन टी की प्रभावकारिता भिन्न होती है और यह चर्चा का विषय है, लेकिन शरीर के लिए ग्रीन टी सबसे कम दुष्प्रभावी है।

मेटाबॉलिज्म को बढ़ावा देने में मददगार है ग्रीन टी

ग्रीन टी में जरूरी बायोएक्टिव पदार्थ जैसे कैफीन और कैटेचिन होते हैं, जो शरीर की मेटाबॉलिज्म दर को बढ़ावा देने में मदद करते हैं। तेज मेटाबॉलिज्म दर शरीर की अधिक कैलोरी बर्न करके ऊर्जा को बढ़ाती है, जिस कारण वजन घटाने में मदद मिलती है। इसके अतिरिक्त, यह शरीर के ब्लड सर्कुलेशन में एंटी-ऑक्सीडेंट के स्तर को भी बढ़ाता है। अध्ययनों के अनुसार, ग्रीन टी के सेवन से रोजाना 75-100 कैलोरी बर्न की जा सकती है।

वर्कआउट से पहले करें ग्रीन टी का सेवन

कैलोरी को बर्न करने में ग्रीन टी काफी प्रभावी मानी जाती है, इसलिए आजकल विभिन्न वजन घटाने वाले सप्लीमेंट्स में ग्रीन टी का अर्क मौजूद होता है। हालांकि, इन सप्लीमेंट्स का सेवन बिना डॉक्टर की सलाह के करना गलत है। आप चाहें तो अपने शरीर की अतिरिक्त कैलोरी को तेजी से बर्न करने के लिए अपने रोजाना के वर्कआउट सेशन से पहले एक कप ग्रीन टी का सेवन कर सकते हैं।

भूख को सीमित और चीनी के सेवन को कम करने में है कारगर

अधिक मात्रा में चीनी का सेवन वजन को बढ़ाने और कई तरह की स्वास्थ्य संबंधित समस्याओं का कारण बन सकता है और ग्रीन टी चीनी के सेवन को कम करने में मदद करती है क्योंकि इसके लिए चीनी की आवश्यकता नहीं होती है। इसके अलावा, ग्रीन टी शरीर के डोपामाइन और नॉरपेनेफ्रिन जैसे तत्वों को प्रभावित करके आपकी भूख को भी सीमित करने में भी मदद करती है, जिससे आप अधिक खाने से बचकर वजन को कम कर सकते हैं।

अच्छे फैट को बढ़ाने में सहायक है ग्रीन टी

हमारे शरीर में दो तरह के फैट होते हैं, जिसे ब्राउन फैट और व्हाइट फैट कहा जाता है। ब्राउन फैट को गुड फैट के रूप में जाना जाता है क्योंकि यह वजन कम करने में सहयोगी होता है, जबकि व्हाइट फैट शरीर में स्क्रिशी बैड फैट होता है, जो वजन बढ़ने पर दिखाई देता है। ग्रीन टी में मौजूद कैटेचिन शरीर के ब्राउन फैट को बढ़ाने में मदद करता है, जो वजन को कम करने में मदद कर सकता है।

गन्ने के जूस के फायदे जान आप रह जाएंगे हैरान

गर्मियों की शुरुआत होते ही जगह-जगह गन्ने के जूस की दुकान और ठेले देखने को मिल जाते हैं। चिलचिलाती धूप में गन्ने का जूस किसी अमृत से कम नहीं है। गर्मियों के दिनों में यह सस्ता और बेहद गुणकारी साबित होता हैं। कैल्शियम, पोटैशियम, आयरन, मैग्नेशियम, फॉस्फोरस, विटामिन ए, बी1, बी2, बी3, बी5, बी6 और विटामिन सी जैसे पोषक तत्वों से भरपूर गन्ने का रस शरीर को कई तरह के फायदे पहुंचाता है जिसके बारे में आज इस कड़ी में हम आपको बताने जा रहे हैं। तो आइये जानते हैं...

गन्ने का जूस लिवर के लिए काफी फायदेमंद माना जाता है। ये लिवर को डिटॉक्सीफाई करने का काम करता है। गन्ने के रस में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स लिवर के विषैले तत्वों को बाहर निकालकर उसे इंफेक्शन से बचाते हैं। पीलिया के रोग में गन्ने के जूस को काफी फायदेमंद माना जाता है।

रोजाना गन्ने का जूस पीने से पाचन शक्ति मजबूत हो जाती है। जिससे खाना पचने में आसानी होती है। गन्ने का जूस मेटाबॉलिज्म रेट को बढ़ाता है जिससे आपका वजन आसानी से कम हो जाता है। गन्ने का रस शरीर के लिए फायदेमंद होता है। बाजार में मिलने वाली अन्य ड्रिंक की तुलना में ये बेहतर होता है।

आपको जानकर हैरानी होगी, लेकिन गन्ने के रस में ऐसे कई तत्व होते हैं जो शरीर का कैंसर से बचाव करते हैं। प्रोस्टेट और ब्रेस्ट कैंसर से लड़ने में गन्ने के रस को काफी कारगर माना जाता है।

गन्ने का जूस दिल से जुड़ी बीमारियों में भी बहुत फायदेमंद होता है। गन्ने का जूस शरीर में कोलेस्ट्रॉल लेवल को कम करके दिल की कोशिकाओं में फैट को जमने से रोकता है। जिससे दिल की बीमारियों के होने का चांस कम हो जाता है। विशेषज्ञों का मानना है कि अगर गन्ने का रस रोज पीया जाए तो वो ऑस्टियोपोरोसिस जैसी समस्या से बचाव करता है। इसमें मौजूद कैल्शियम, मैग्नीशियम, फास्फोरस, आयरन और पोटैशियम जैसे तत्व हड्डियों को मजबूती देने का काम करते हैं।

जैसा कि गर्मी, धूप और उमस से गर्मियों के सीजन में हर किसी को दिक्कत होती है। मौसम की मार पड़ने से शरीर में पानी की कमी हो सकती है और डिहाइड्रेशन की स्थिति पैदा हो सकती है। वहीं, गर्मी से बहुत अधिक सुस्ती और थकान महसूस हो सकती है। इन सभी परेशानियों को कम करता है गन्ने का जूस। ईख या गन्ने का रस पीने से शरीर को इंस्टेंट एनर्जी मिलती है और आप तरोताजा महसूस करते हैं।

महिलाओं को अक्सर जल्दी जल्दी यूरिन इंफेक्शन हो जाता है। ऐसे में अगर वे नियमित तौर पर गन्ने का जूस पीएं तो उन्हें काफी फायदा मिल सकता है। गन्ने का रस शरीर से विषैले तत्वों को बाहर निकालता है और यूटीआई इंफेक्शन का रिस्क घटाता है। एक शोध के मुताबिक, अतिरिक्त शुगर और नमक के बिना तैयार किए गए गन्ने के जूस का सेवन शुगर के मरीज भी कर सकते हैं। गन्ने का जूस पीने से शुगर लेवल कंट्रोल में रहता है। गन्ने के जूस में नेचुरल शुगर मौजूद होती है। इसके अलावा इसमें ग्लाइसेमिक एसिड मौजूद होता है।

अगर आपकी स्किन डल हो गई है या समय से पहले झुर्रियों की परेशानी हो रही है तो आपको नियमित तौर पर गन्ने का रस पीना चाहिए।

अभिनेत्री मानुषी छिल्लर ने बताईं चुनौतियों की बात

मानुषी छिल्लर ने अपने सामने आई चुनौतियों के बारे में बताया। मानुषी छिल्लर ने मिस वर्ल्ड का ताज जीतकर पूरे देश को गौरवान्वित किया। इसके ठीक बाद उन्होंने सम्राट पृथ्वीराज के साथ बॉलीवुड में अपनी शुरुआत की। उन्होंने शक्ति प्रताप सिंह हाडा के निर्देशन में ऑपरेशन वैलेंटाइन के साथ टॉलीवुड में अपनी शुरुआत की। मानुषी ने पत्रकारों से बात करते हुए बताया कि जब अवसर खत्म हो गए तो उन्हें कैसा लगा। उन्होंने कहा, मेरे लिए अभी सबसे बड़ी चुनौती एक अभिनेता के रूप में मेरी यात्रा है। मिस वर्ल्ड जीतने के बाद इस क्षेत्र में आने पर, मैं पहले से ही काम कर रही थी, लेकिन अभिनय में कदम रखना एक बार फिर से एक छात्र बनने और सब कुछ शुरू से सीखने जैसा था। यह मेरे सामने आई सबसे बड़ी चुनौती रही है।

उन्होंने बताया, मैं हमेशा से एक अच्छी छात्रा रही हूँ, इसलिए मैंने हाल ही में अपना ध्यान इस नए हुनर को अपनाने पर केंद्रित किया, और खुद को एक अभिनेता के रूप में बेहतर बनाने के लिए समर्पित कर दिया। अभिनय एक पूरी तरह से अलग अनुशासन है, और जबकि हर किसी की अपनी खूबियाँ होती हैं, मैं हमेशा से एक स्वाभाविक रूप से सतर्क और दृढ़ व्यक्ति रही हूँ। भावनाओं को खुलकर व्यक्त करना मेरे लिए कभी आसान नहीं रहा। हालाँकि, सबसे बड़ी बाधाओं में से एक जो मुझे पार करनी थी, वह थी कैमरे के सामने कमज़ोर होना सीखना और खुद को पूरी तरह से एक किरदार में डुबो देना। उन्होंने कहा, हमेशा बहुत ज़्यादा उम्मीदें होती हैं, ख़ासकर जब आप मिस वर्ल्ड जैसे मंच से आते हैं। इस प्रतियोगिता से कई उल्लेखनीय महिलाओं ने न केवल प्रतियोगिता में बल्कि अभिनय में भी वैश्विक पहचान हासिल की है। स्वाभाविक रूप से, यह एक निश्चित स्तर की जांच लाता है। मैं उम्मीदों को एक सकारात्मक शक्ति के रूप में देखती हूँ। वे मुझे और अधिक प्रयास करने, लगातार सुधार करने के लिए प्रेरित करती हैं। बाहरी दबाव पर ध्यान केंद्रित करने के बजाय, मैं सीखने, अपने कौशल को निखारने और एक अभिनेता के रूप में विकसित होने पर ध्यान केंद्रित करना चुनती हूँ। सबसे अच्छी बात जो मैं कर सकती हूँ, वह है अपने शिल्प के लिए खुद को समर्पित करना, कड़ी मेहनत करना और एक अभिनेता के रूप में विकसित होना। अपने प्रोजेक्ट्स के बारे में बात करते हुए, उन्होंने साझा किया, इस साल मेरी दो फ़िल्में रिलीज़ होने वाली हैं और एक और जिसकी मैं शूटिंग शुरू करूँगी। दुर्भाग्य से, मैं उनका नाम नहीं बता सकती, लेकिन जब फ़िल्मों की बात आती है, तो यही लाइन में है। इसके अलावा, मेरे ब्रांड द्वीप के साथ बहुत काम चल रहा है, जो मेरा सस्टेनेबल बीचवियर ब्रांड है, और सोमा वेलनेस के साथ बहुत विस्तार हो रहा है, जो मेरा रीजेनरेटिव क्लिनिक है।

ऋतिक रोशन खुद डायरेक्ट करेंगे फिल्म कृष 4 !

ऋतिक रोशन के फैंस का कृष 4 के लिए इंतजार खत्म हो गया है। लंबे अरसे से कृष 4 का फैंस को बेसब्री से इंतजार था। कृष 4 के इस सस्पेंस से पर्दा हट गया कि यह फिल्म बनेगी भी या नहीं। अब कृष 4 को लेकर धमाकेदार ऑफिशियल अपडेट सामने आई है। कृष 4 को लेकर नए अपटेड ने उनके फैंस को खुश होने का बड़ा मौका दिया है। अब यह बात ऑफिशियली तौर पर कंफर्म हो गई है कि फिल्म कृष 4 बनने जा रही है। कृष 4 को कोई और नहीं बल्कि राकेश रोशन ही बनाने जा रही हैं। इससे भी बड़ी बात यह है कि इस मोटे बजट की फिल्म को यशराज फिल्म्स के मालिक आदित्य चोपड़ा का साथ मिला है। ऐसे में राकेश रोशन और आदित्या चोपड़ा मिलकर कृष 4 प्रोड्यूस कर रहे हैं। सबसे बड़ी खबर यह है कि ऋतिक रोशन फिल्म कृष 4 से फिल्म निर्देशन में हाथ आजमाने जा रहे हैं। जी हां कृष 4 को ऋतिक रोशन डायरेक्ट करेंगे। इसका मतलब ऋतिक रोशन अपनी फिल्म को खुद डायरेक्ट करने जा रहे हैं। दिग्गज फिल्म एनालिस्ट तरण आदर्श के हवाले से इस गुडन्यूज को शेयर किया गया है, तरण आदर्श ने अपने सभी सोशल मीडिया हैंडल पर कृष 4 की गुडन्यूज को शेयर किया है। तरण आदर्श ने लिखा है, बड़ी खबर, यह ऑफिशियल है, राकेश रोशन और आदित्य चोपड़ा मिलकर फिल्म कृष 4 को प्रोड्यूस करेंगे और ऋतिक रोशन फिल्म कृष 4 से पहली बार फिल्म निर्देशन करने जा रहे हैं, यह भारत की सबसे बड़ी सुपरहीरो फ्रेंचाईजी है कृष 4। फिलहाल फिल्म की स्टारकास्ट से पर्दा नहीं हटाया गया है। कहा जा रहा है कि साल 2026 की शुरुआत में फिल्म फ्लोर पर आ जाएगी। बता दें, राकेश रोशन ने साल 2003 में फिल्म कोई मिल गया डायरेक्ट की थी, जिसके डिस्ट्रीब्यूटर यशराज फिल्म्स था। वहीं, साल 2006 में कृष और साल 2013 में कृष 3 को डायरेक्ट किया था।

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *साध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

सिर पर तेल लगाते समय न करें ये 5 गलतियां, बालों को हो सकता है नुकसान

बालों की देखभाल में तेल लगाना एक अहम हिस्सा है, लेकिन कई बार हम कुछ गलतियां कर बैठते हैं, जो बालों पर बुरा असर डाल सकती हैं।

इस लेख में हम उन सामान्य गलतियों पर चर्चा करेंगे, जिन्हें आपको तेल लगाते समय टालना चाहिए। ये सुझाव महिलाओं और पुरुषों दोनों के लिए उपयोगी होंगे, ताकि आपके बाल स्वस्थ और चमकदार बने रहें।

सही तरीके से तेल लगाने से बालों की जड़ों को पोषण मिलता है।

बहुत ज्यादा तेल का इस्तेमाल न करें

अक्सर लोग सोचते हैं कि ज्यादा तेल लगाने से बाल ज्यादा मजबूत और चमकदार बनेंगे, लेकिन ऐसा नहीं है।

बहुत ज्यादा तेल लगाने से बाल चिपचिपे हो सकते हैं और उन्हें धोने में भी परेशानी होती है।

इसके अलावा स्कैल्प पर अतिरिक्त तेल जमा होने से रोमछिद्र बंद हो सकते हैं, जिससे बाल झड़ने की समस्या बढ़ सकती है। इसलिए हमेशा संतुलित मात्रा में ही तेल का उपयोग करें ताकि आपके बाल स्वस्थ रहें।

गंदे हाथों से न लगाएं तेल

जब आप बालों में तेल लगाएं, तो यह जरूरी है कि आपके हाथ साफ हों।

गंदे हाथों से तेल लगाने पर स्कैल्प पर बैक्टीरिया फैल सकते हैं, जिससे खुजली और डैंड्रफ जैसी समस्याएं हो सकती हैं।

इससे बचने के लिए हमेशा अपने हाथ अच्छी तरह धोकर ही बालों में तेल लगाएं। साफ हाथों से तेल लगाने से बालों की जड़ों को सही पोषण मिलता है और उनका विकास ठीक से होता है।

रातभर छोड़ना जरूरी नहीं

कई लोग मानते हैं कि रातभर के लिए तेल छोड़ने से ही उसका पूरा फायदा मिलता है, लेकिन ऐसा जरूरी नहीं है।

आप चाहें तो 1-2 घंटे तक भी तेल लगाकर रख सकते हैं और फिर धो सकते हैं। लंबे समय तक तेल छोड़ने से कभी-कभी उल्टा असर भी हो सकता है, जैसे कि स्कैल्प का बहुत ज्यादा ऑयली होना या खुजली की समस्या बढ़ना।

इसलिए संतुलित समय के लिए ही तेल लगाएं ताकि बालों की सेहत बनी रहे।

सही तरीके से मालिश करें

बालों में सही तरीके से मालिश करना बेहद जरूरी है ताकि रक्त संचार बेहतर हो सके और पोषण जड़ों तक पहुंच सके।

हल्के हाथों से गोलाकार गति में मालिश करें ताकि स्कैल्प को आराम मिले और तनाव कम हो। इससे बालों की जड़ों को मजबूती मिलती है और बाल स्वस्थ रहते हैं।

जोर-जोर से रगड़ने या खींचने की गलती न करें क्योंकि इससे जड़ों को नुकसान पहुंच सकता है, जिससे बाल कमजोर होकर टूट सकते हैं।

हर बार शैंपू करना जरूरी नहीं

जब भी आप बालों में तेल लगाएं तो इसे शैंपू करना हर बार जरूरी नहीं होता, खासकर अगर आपने हल्का-सा ही तेल लगाया हो।

बार-बार शैंपू करने से बालों की प्राकृतिक नमी खत्म हो सकती है, जिससे वे रूखे और बेजान दिख सकते हैं।

हफ्ते में दो बार शैंपू करना पर्याप्त होता है ताकि आपके बाल स्वस्थ और चमकदार बने रहें।

ज्यादा शैंपू करने से बचें ताकि आपके बालों की नमी बनी रहे। (आरएनएस)

शब्द सामर्थ्य -87

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं :
1. अनुचित, असत्य, जो ठीक न हो 3. बेवजह, बिनाकारण, व्यर्थ 4. हल्कीनींद, चकमा, धोखा 6. शक्कर पानी आदि का मीठा घोल 10. सोते से उठाना, सावधान करना, प्रदीप्त करना 11. चरमसीमा, सीमांत 14. पानी, आंसू 15. बैठा हुआ, विराजित 16. नृत्य 17. मृतप्राय, मृत्यु के करीब 19. जल, अम्बु 22. उपहार, भेंट 23. खबर, संदेश।

ऊपर से नीचे
1. गणपतिजी, 2. मांगनेवाला, पाने की इच्छा करने वाला 3. मिट्टी के रंग का, मटमैला 5. चला आता हुआ क्रम प्रथा, प्रणाली, रीति-रीवाज, 7. निशाचर, रात में विचरण करने वाला 8. पेड़ का धड़ा जहां से शाखाएं निकलती है, 9. मिठाई, खाने की मीठी चीज 12. शासन, गुप्तबात 13. श्रद्धा, स्त्री, जयशंकर प्रसाद द्वारा रचित प्रसिद्ध महाकाव्य 15. विपत्तिग्रस्त, दुखी, अभागा 16. प्रसिद्ध, नामवर 18. स्वप्न, ख्वाब 20. करीब, नज़दीक, समीप 21. सुबह, प्रात:, सबेरा।

1		2				3		
				4	5			
6	7		8					9
	10				11	12	13	
	14			15				
16								
17			18			19		
					20			21
22					23			

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 86 का हल

अ	भि	षे	क		प	स		
जा	त		थ	प	थ	पा	ना	
य	र	का	नी		भ्र		र	श्मि
ब	घा	र		क	ष्ट	प्र	द	
	त	ना	त	नी		र्व		ब
अ		मा		ज	मा	त		ल
स	जा					क	ज	रा
बा		बे	स	हा	रा		ग	म
ब	गु	ला		रा	ज	दू	त	

ग्राउंड जीरो से इमरान हाशमी की पहली झलक आई सामने

अभिनेता इमरान हाशमी की अपकमिंग फिल्म 'ग्राउंड जीरो' सिनेमाघरों में रिलीज के लिए तैयार है। अभिनेता ने सोशल मीडिया पर अपना एक पोस्टर शेयर किया। पोस्टर के जरिए अभिनेता ने बताया कि वह एक ऐसे मिशन को सामने लाने जा रहे हैं, जिसने कश्मीर को बदलकर रख दिया।

अब आखिरकार ग्राउंड जीरो से इमरान की पहली झलक सामने आ गई है।

इंस्टाग्राम पर शेयर 'ग्राउंड जीरो' के पोस्टर में इमरान हाशमी हाथ में हथियार पकड़े दिखाई दे रहे हैं। अभिनेता युद्धग्रस्त या संघर्षग्रस्त शहर के बीच हाथ में हथियार लिए नजर आए। पोस्टर पर लिखा है, तुझे यहां लाई तेरी मौत फौजी, कश्मीर का बदला लेगा गाजी।

पोस्टर को शेयर करते हुए अभिनेता ने लिखा, एक मिशन की अनकही कहानी जिसने कश्मीर को हमेशा के लिए बदल दिया। ग्राउंड जीरो 25 अप्रैल, 2025 को सिनेमाघरों में आ रही है। अब प्रहार होगा।

जानकारी के अनुसार 'ग्राउंड जीरो' की कहानी साल 2001 में हुए संसद हमले से संबंधित है, जिसमें एक बीएसएफ अधिकारी की पड़ताल 2 साल तक चलती है। इस जांच में मास्टरमाइंड गाजी बाबा का पता लगाया जाता है, जिससे भारत का सबसे बड़ा आतंकवाद विरोधी अभियान संभव हो पाता है।

तेजस देवस्कर के निर्देशन में तैयार फिल्म का निर्माण रितेश सिधवानी और फरहान अख्तर ने किया है। फिल्म के को-प्रोड्यूसर विशाल रामचंदानी, सुंदीप सी. सिधवानी, अरहान बगाती, कासिम जगमगिया, टैलिस्मन फिल्म्स, निशिकांत रॉय और अभिषेक कुमार हैं।

यह फिल्म 25 अप्रैल, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

इमरान ने 24 मार्च को अपने 46वें जन्मदिन के अवसर पर 'आवारापन' के सीक्वल की घोषणा की थी, जो 3 अप्रैल, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। एक्शन ड्रामा 'आवारापन 2' में शिवम की कहानी वहीं से शुरू होती है, जहां पिछली खत्म हुई थी। एक्शन-क्राइम फिल्म 'आवारापन' साल 2007 में रिलीज हुई थी। मोहित सूरी के निर्देशन में बनी यह फिल्म दक्षिण कोरियाई फिल्म ए बिटरस्वीट लाइफ की रीमेक थी।

ज्वेल थीफ: द हीस्ट बिगिंस 25 अप्रैल को नेटफ्लिक्स पर आ रही सैफ की फिल्म

सैफ अली खान और जयदीप अहलावत की आगामी थ्रिलर फिल्म ज्वेल थीफ - द हीस्ट बिगिंस अब दर्शकों को एंटरटेन करने के लिए तैयार है। टीजर के बाद मेकर्स ने ज्वेल थीफ की ऑफिशियल रिलीज डेट का अनाउंसमेंट किया है। फैंस यह जानने के लिए उत्साहित है कि सैफ अली खान की थ्रिलर फिल्म कब धमाल मचाने आ रही है। नेटफ्लिक्स ने नए पोस्टर के साथ सैफ अली खान की ज्वेल थीफ - द हीस्ट बिगिंस की ऑफिशियल रिलीज डेट अनाउंस किया है। पोस्टर में फिल्म के अहम किरदारों की झलक दिखाई गई है। ब्लैक सनग्लासेस पहने सैफ अली खान अपने प्लान को अंजाम देने के लिए पूरी तरह तैयार होते दिख रहे हैं। पोस्टर में जयदीप अहलावत, निकिता दत्ता और कुणाल कपूर को भी देखा जा सकता है।

नेटफ्लिक्स ने इंस्टाग्राम पर ज्वेल थीफ - द हीस्ट बिगिंस की रिलीज डेट अनाउंस करते हुए पोस्ट के कैप्शन में लिखा है, जितना बड़ा जोखिम, उतनी ही मीठी चोरी। आ रहा है अविश्वसनीय- ज्वेल थीफ। देखें ज्वेल थीफ, 25 अप्रैल को, सिर्फ नेटफ्लिक्स पर।

कूकी गुलाटी और रॉबी ग्रेवाल निर्देशित फिल्म में सैफ अली खान के साथ जयदीप अहलावत, कुणाल कपूर और निकिता दत्ता जैसे कलाकारों ने काम किया है। फरवरी में फिल्म का टीजर जारी किया गया था, जिसमें फिल्म की कहानी की छोटी सी झलक दिखाई गई थी, जिसमें सैफ और जयदीप के किरदारों को अफ्रीकी रेड सन हीरे को चुराने के लिए सेना में शामिल होते हुए दिखाया गया था। फिल्म में सैफ अली खान एक चालाक ठग की भूमिका में हैं, जो जयदीप अहलावत के खिलाफ एक लड़ाई में उलझा हुआ है। बुडापेस्ट, इस्तांबुल और मुंबई पर आधारित यह एंटरटेनिंग हीस्ट ड्रामा 25 मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। यह फिल्म सिद्धार्थ आनंद और उनकी पत्नी ममता आनंद के प्रोडक्शन बैनर मार्फ्लिक्स पिक्चर्स का ओटीटी डेब्यू है।

चिरंजीवी की फिल्म विश्वंभरा 22 अगस्त को रिलीज होगी

चिरंजीवी इन दिनों अपनी आगामी फिल्म विश्वंभरा को लेकर भी सुर्खियों में हैं। फिल्म का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है। फिल्म का टीजर पहले ही जारी हो चुका है, जिसे दर्शकों की मिलीजुली प्रतिक्रिया मिली थी। हालांकि, चिरंजीवी की बहुप्रतीक्षित फिल्म विश्वंभरा पहले ही अपने तय समय से पीछे चल रही है। वहीं, अब इस फिल्म पर नया अपडेट सामने आया है।

दरअसल, विश्वंभरा पहले संक्रांति 2025 पर रिलीज होने वाली थी, लेकिन राम चरण की फिल्म गेम चेंजर को रास्ता देने के लिए चिरंजीवी की फिल्म को आगे खिसका दिया गया था। साथ ही फिल्म में देरी का अन्य बड़ा कारण टीजर को मिली नकारात्मक प्रतिक्रिया थी। रिपोर्ट्स के अनुसार, दर्शकों की प्रतिक्रिया को ध्यान में रखते हुए चिरंजीवी ने टीम से वीएफएक्स को बेहतर बनाने को कहा। वहीं अब अब फिल्म की नई रिलीज की तारीख पर विचार किया जा रहा है।

पहली देरी के बाद विश्वंभरा के निर्माता मई 2025 में रिलीज की उम्मीद कर रहे थे। हालांकि, अधूरे ग्राफिक काम के कारण यह अब तय नहीं है। अच्छे दृश्य पर काम करने के लिए टीम ने कथित तौर पर अवतार के पीछे की टीम को यह काम सौंप दिया है। वहीं, अब फिल्म को लेकर ताजा चर्चा है कि निर्माता ने विश्वंभरा को चिरंजीवी के जन्मदिन पर यानी 22 अगस्त, 2025 को रिलीज करने की योजना बना रहे हैं।

हालांकि, इन खबरों पर अभी फिल्म के निर्माताओं या अभिनेताओं ने चुप्पी नहीं तोड़ी है। फिल्म की रिलीज पर आधिकारिक मुहर का इंतजार है। हैदराबाद के अन्नपूर्णा स्टूडियो में 13 अलग-अलग सेटों विश्वंभरा का निर्माण हुआ है। हालांकि, फिल्म को अभी तक ओटीटी सौदा हासिल नहीं हुआ है। रिपोर्ट्स के अनुसार, सीजीआई की क्वॉलिटी के कारण इसमें देरी हो रही है।

मल्लीदी वशिष्ठ द्वारा लिखित और निर्देशित विश्वंभरा सामाजिक मुद्दे पर आधारित फिल्म होगी। फिल्म में तृषा और चिरंजीवी के साथ सुरभि, रम्या पसुपलेटी, ईशा चावला, और अश्रिता वेमुगंती नंदूरी जैसे शानदार कलाकार भी मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। फिल्म का संगीत मशहूर संगीतकार एम.एम. कीरवानी ने दिया है। फिल्म का निर्माण यूवी क्रिएशंस ने किया है।

सावित्रीबाई फुले का किरदार पर्दे पर निभाना बड़ी जिम्मेदारी थी : पत्रलेखा

अभिनेत्री पत्रलेखा की अपकमिंग बायोपिक 'फुले' का ट्रेलर हाल ही में लॉन्च हुआ। फिल्म में अभिनेत्री सावित्रीबाई फुले की भूमिका में हैं। अभिनेत्री ने बताया कि पर्दे पर सावित्रीबाई फुले का किरदार निभाना, उनके लिए एक बड़ी जिम्मेदारी थी और उनका यह सफर भावनाओं से भरा रहा। इसे एक परिवर्तनकारी और बेहद प्रेरणादायक अनुभव बताते हुए, पत्रलेखा ने कहा कि समाज सुधारक की भूमिका निभाना उनके लिए बहुत बड़ी जिम्मेदारी थी, उन्होंने उनके संघर्ष, ताकत और विरासत को पर्दे पर दिखाने का प्रयास किया।

उन्होंने बताया, जब मुझे इस भूमिका के लिए संपर्क किया गया, मेरे विचार स्पष्ट थे। जब मैंने पहली बार अनंत सर से बात की, तो उन्होंने मुझे स्क्रिप्ट भेजी, जो काफी बड़ी थी। मुझे याद है कि मैंने उन्हें फोन करके कहा था, सर, यह स्क्रिप्ट बहुत बड़ी है। मेरे पास पढ़ने के लिए बहुत कुछ है, लेकिन उन्होंने मुझे आश्वस्त करते हुए कहा कि यह सिर्फ पहला ड्राफ्ट है और वे इसे और बेहतर बनाएंगे। डेढ़ साल बाद, मुझे अंतिम स्क्रिप्ट मिली और यह खूबसूरती से लिखी गई थी। मैं मना नहीं कर सकी। मुझे बस इतना पता था कि मुझे इसका हिस्सा बनना है।

पत्रलेखा ने सावित्रीबाई फुले के रूप में चुने जाने पर अपनी शुरुआती प्रतिक्रिया के बारे में भी बताया, उन्होंने स्वीकार किया कि वह इतनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए उत्साहित और चिंतित दोनों थीं।

अभिनेत्री ने बताया, ईमानदारी से कहूं तो मैं तुरंत ही इस किरदार की ओर आकर्षित हो गई। यह सिर्फ एक ऐतिहासिक शख्सियत का किरदार निभाने के बारे में नहीं था, यह साहस की कहानी के बारे में था। जब अनंत सर और मैंने पहली बार बात की, तो मैं ऐसे महत्वपूर्ण व्यक्ति का किरदार निभाने को लेकर चिंतित थी, लेकिन उन्होंने मेरी मदद की। उन्होंने कहा, अपनी चिंताओं को छोड़ो और बस करो। उस आश्वासन ने मुझे बहुत आत्मविश्वास दिया। बेशक यह चुनौतीपूर्ण था, लेकिन एक बार जब मैं सेट पर गई, तो घबराहट गायब हो गई।

गहने कोहरे और पाले से कोकून में नमी

पंकज चतुर्वेदी

तमिलनाडु का धरमपुर रेशम के लिए मशहूर है। यहां सालाना लगभग 17 लाख टन रेशम कोकून की पैदावार होती है। पिछले माह जिले भर में कोहरे और खराब जलवायु परिस्थितियों ने ऐसा डेरा डाला कि कोकून की कीमत में भारी वृद्धि हो गई। फरवरी के दूसरे हफ्ते में इसके दाम 857 प्रति किग्रा. दर्ज किए गए जबकि इस समय औसत कीमत 52० रु पये से अधिक नहीं होती। आम तौर पर इस समय इलाके का मौसम खुला रहता है लेकिन इस बार गहने कोहरे और पाले से कोकून में नमी आ गई। इसके चलते अच्छी गुणवत्ता वाले रेशम का संकट दिखने लगा और दाम चढ़ गए। बदलते मौसम का असर शहतूत के पेड़ों पर भी देखा गया। विदित हो रेशम के कीड़ों का आहार शहतूत ही होता है। मंडी में आवक काम और दाम ज्यादा होने से बुनकर भी परेशान हैं। धर्मपुरी का रेशम तो एक उदाहरण भर है कि किस तरह समय से पहले गर्मी आने का व्यापक कुप्रभाव समाज पर पड़ रहा है।

प्रवासी पक्षियों का पहले लौटना, सडक़ के कुत्ते और अन्य जानवरों के व्यवहार में अचानक उग्रता और रबी की फसल की पौष्टिकता में कमी, कुछ और ऐसे कुप्रभाव हैं, जो जलवायु परिवर्तन के कारण हमारे यहां दिखने लगे हैं। इस साल इतिहास में तीसरा सबसे गर्म जनवरी और फरवरी रहा। जनवरी में देश में बारिश 7०त्न कम रही। पहाड़ी राज्यों में बारिश और बर्फबारी 8०त्न तक कम रही। फरवरी के आखिरी हफ्ते में विदर्भ से ले कर तेलंगाना तक 4० की तरफ दौड़ते तापमान ने लू का अहसास करवा दिया। मार्च के दूसरे हफ्ते में ऐन होली पर बरसात और ओलावृष्टि ने फसल का नुकसान दुगुना कर दिया। उसके बाद फिर गर्मी तेवर दिखा रही है।

मौसम विभाग के मुताबिक अगले तीन हफ्तों में देश के अधिकांश हिस्सों में औसत तापमान सामान्य से अधिक रहने की संभावना है। उत्तराखंड के पवित्र तीर्थस्थल केदारनाथ में इस वर्ष पिछले 1० वर्षों में सबसे कम बर्फबारी दर्ज की गई है। इस बार सर्दियों में यहां सिर्फ दो फीट बर्फबारी हुई है, जो बीते वर्षों के मुकाबले काफी कम है। वैज्ञानिकों और विशेषज्ञों ने इस पर चिंता जताई है, क्योंकि इससे न केवल क्षेत्र की पारिस्थितिकी प्रभावित होगी, बल्कि जल स्रेतों पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है।

बीते 1० वर्षों में केदारनाथ में बर्फबारी का पैटर्न बदलता दिखा है। जहां 2०15 में आठ फीट बर्फ गिरी थी, वहीं 2०25 में यह घट कर मात्र दो फीट रह गई है। कम बर्फबारी और जल्द गर्मी से ग्लेशियर जल्दी पिघलेंगे और गंगा-यमुना जैसी नदियों का जल प्रवाह प्रभावित होगा। केदारनाथ क्षेत्र में पाई जाने वाली दुर्लभ वनस्पतियां और वृक्ष कम बर्फबारी के कारण प्रभावित हो सकते हैं। इससे इस क्षेत्र की पारिस्थितिकी पर नकारात्मक असर पड़ेगा। कम बर्फबारी का मतलब है कि गर्मियों में जल स्रेतों में कमी आएगी जिससे पानी की किल्लत हो सकती है।

जलवायु परिवर्तन का असर किस कदर पहाड़ों पर है, इसका उदाहरण इन दिनों धौलछीना के इर्द-गिर्द और बिनसर अभयारण्य के जंगलों में साफ दिख रहा है। पहाड़ में अक्सर फरवरी के दूसरे पखवाड़े से मार्च में खिलने वाला बुरांस का फूल इस बार जनवरी में ही खिल गया था। इससे लोग हैरत में हैं और मौसम चक्र में परिवर्तन को इसकी वजह मानते हैं। जंगलों में कई जगह काफल फरवरी में ही पकने लगा था। आम तौर पर पहाड़ के जंगलों में बुरांस का फूल 15 मार्च के बाद भी खिलता है। इसके बाद ही मार्च के दूसरे पखवाड़े और अप्रैल में काफल पकता है। मगर अब प्रकृति अपना अलग रंग दिखा रही है।

हैरान करने वाली बात यह है कि इस बार जनवरी के पहले पखवाड़े से ही धौलछीना के आसपास तथा बिनसर अभयारण्य के जंगलों में बुरांस खिल गया। ठीक इसी तरह से हिमाचल प्रदेश में भी बुरांस और काफल समय से बहुत पहले जनवरी में फल-फूल गए। जलवायु बदलाव का असर असम के धुबरी जिले में अजीब ही तरह से देखा जा रहा है। यहां बहने वाली ब्रह्मपुत्र नदी में अचानक हिल्सा मछलियों की संख्या बढ़ती देखी जा रही है, जो जनवरी-फरवरी के महीनों में अस्वाभाविक है। वास्तव में इसका समय मई, जून, जुलाई और अगस्त होता है। विदित हो कि हिल्सा मछलियां समुद्र के मुहाने से अक्टूबर में ब्रह्मपुत्र नदी में अंडे देने के लिए बंगाल की खाड़ी से आती हैं। हालांकि, मौसम और प्रकृति में अस्वाभाविक परिवर्तन और ब्रह्मपुत्र नदी के धीरे-धीरे सूखने के कारण हिल्सा मछलियां इस साल जनवरी के अंत से नदी में चढने् लगी हैं।

पर्याप्त ठंड न पडने्, जाड़े में होने वाली बरसात के न आने और फरवरी में ही गर्मी का असर मध्य भारत के खेतों में रबी की फसल पर कीट के रूप में सामने आ रहा है। विशेष रूप से गेहूं में चंडवा, सरसों, मटर और चना की फसलों में माहू और इल्ली का प्रकोप बढ़ गया है, जिसके कारण इन फसलों में फूल गिरने लगे हैं, और किसानों को भारी नुकसान हो रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि इन कीटों के कारण आगामी दिनों में चना, मटर और सरसों का उत्पादन 3० प्रतिशत तक घट सकता है। सब्जी भी गर्मी के प्रकोप से बची नहीं रही। मिर्च, टमाटर, बैंगन, भिंडी जैसी सब्जी फसलों में भी माहू का प्रकोप बढ़ गया है। शाम होते ही अब खेत के करीब की सडक़ों से निकलना मुश्किल है क्योंकि वाहनों की रोशनी होते ही माहू कीट के घने झुंड आ जाते हैं। कीट से बचने के लिए यदि किसान कीटनाशक का इस्तेमाल करता है, तो एक तो लागत बढ़ती है, दूसरा, गुणवत्ता भी प्रभावित होती है।

कश्मीर में गर्मी के कारण सेब फल से ले कर केसर तक की खेती बुरी तरह प्रभावित हुई हैं। वहां जमीन शुष्क है, और तालाब-झरने सूख गए हैं। उधर केरल के लिए चेतावनी है कि आम तौर पर मार्च-अप्रैल में आने वाली हीटवेव जैसी स्थिति इस साल राज्य में पहले ही आ गई। जनवरी के आखिरी सप्ताह में कन्नूर में दिन का तापमान 36.6 डिग्री सेल्सियस और कोट्टायम में 36.5 डिग्री सेल्सियस तक जा पहुंचा था। आईएमडी ने भी चेतावनी जारी की है कि तापमान में वृद्धि जारी रहेगी जो केरल के जलवायु पैटर्न में चिंताजनक बदलाव को दर्शा रहा है। मौसम के बदलते मिजाज से आम लोगों की रोजी-रोटी के साधन, व्यवहार और स्वास्थ्य, तीनों प्रभावित हो रहे हैं। वैसे तो हर राज्य ने जलवायु परिवर्तन से निबटने की दसवर्षीय कार्य योजनाएं बना रखी हैं, लेकिन फिलहाल उनके असर जमीन पर कहीं नहीं दिख रहे।

एक रोमांटिक फिल्म में साथ काम कर रहे हैं कार्तिक आर्यन व श्रीलीला

बॉलीवुड एक्टर कार्तिक आर्यन ने शुक्रवार को इंस्टाग्राम पर श्रीलीला की एक नई तस्वीर शेयर की। दोनों एक रोमांटिक फिल्म में साथ काम कर रहे हैं, जिसका अभी तक टाइटल तय नहीं हुआ है और यह तस्वीर उसी फिल्म की नई तस्वीर है। रोमांटिक तस्वीर में कार्तिक और श्रीलीला चाय के बागान में बैठे हैं और कार्तिक, श्रीलीला की आंखों में प्यार से देख रहे हैं।

कार्तिक ने श्रीलीला के साथ जो तस्वीर शेयर की उसमें वे दोनों एक चाय के बागान के बीच में बैठे हुए हैं। फोटो में दोनों के पास चाय का ग्लास रखा हुआ है, श्रीलीला की निगाहें नीचे हैं और कार्तिक उन्हें बड़े प्यार से देख रहे हैं। कार्तिक ने तस्वीर के साथ कैप्शन लिखा, तू मेरी जिंदगी है। जो कि आशिकी फिल्म का एक फेमस गाना है। यह गाना इस साल की शुरुआत में रिलीज हुए इनकी अनटाइटल्ड फिल्म के टीजर के बैकग्राउंड में भी था।

आर्यन और श्रीलीला पश्चिम बंगाल के सिलीगुड़ी में फिल्म की शूटिंग कर रहे हैं। शूटिंग के दौरान की उनकी तस्वीरें और वीडियो हाल ही में सोशल मीडिया पर वायरल हुए। एक तस्वीर में एक्टर बाइक चलाते हुए दिखाई दे रहे थे। दूसरी तस्वीर में वह फिल्म के सेट पर घायल हाथ पर पट्टी बांधे हुए दिखाई दे रहे थे।

अनुराग बसु द्वारा निर्देशित इस फिल्म का नाम पहले आशिकी 3 रखा गया था। हालांकि इस टाइटल से जुड़े कानूनी मुद्दे के बाद टी-सीरीज यह नाम छोडऩा पड़ा। हालांकि मेकर्स ने आशिकी का म्यूजिक बरकरार रखा जिसके अधिकार टी-सीरीज के पास हैं। इस साल की शुरुआत में, आर्यन ने फिल्म का पहला टीजर जारी किया था। इंस्टाग्राम पर पोस्ट की गई क्लिप में उन्हें एक सिंगर के रूप में स्टेज कॉन्सर्ट के दौरान तू जिंदगी है गाते हुए देखा गया था। उनके साथ श्रीलीला भी नजर आई थीं।

फिल्म के बारे में अभी तक ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है सिवाय इसके कि यह पिछली आशिकी फिल्मों की तरह ही होगी - प्यार और दिल टूटने की कहानी। इस अनटाइटल्ड रोमांटिक ड्रामा के दिवाली तक रिलीज होने की उम्मीद है। भूल भुलैया 3 की सफलता के बाद यह कार्तिक आर्यन की पहली रिलीज होगी, जिसे पिछले साल दिवाली वीकेंड के दौरान रिलीज किया गया था और इसने बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त प्रदर्शन किया था।

युवाओं की रगों में दौड़ रहा उपसंस्कृति का जहर

विमल शंकर झा

किसी देश को खत्म करना है तो अब वहां सेकंड वर्ल्ड वार के दौरान हिरोशिमा और नागासाकी की तरह परमाणु एटम बम डालने की जरुरत नहीं है। या रुस और यूक्रेन युद्ध के बीच विनाशकारीरर मिसाइल और द्रोण के जरिए बड़े बड़े बमों को गिराने की आवश्यकता नहीं है बल्कि उस देश की संस्कृति को खत्म कर दो ...। वह मुल्क धीरे धीरे खुद ही मर जाएगा।

इन दिनों हमारे देश भारत में यही हो रहा है। कभी विश्व गुरु कहलाने वाली देश की तहजीब रसातल में जा रही है। पश्चिमी संस्कृति की चकाचौंध, बाजारवाद की चमचमाहट और दौलत तथा शोहरत की हवस वाली वाली स्टेटस सिंबाल की संस्कृति हमारी पूरब की तहजीब को तेजी से निकल रही है। सीधी सपाट भाषा में कहा जाए तो हमने अंध विकास के लिए विनाश की बीमारी मोल ले ली है।

यह यह नया नवेला कल्चर हमारे हजारों साल से चले आ रहे सामाजिक तानेबाने, सांस्कृतिक ढांचे और पारिवारिक संबंधों को तहस-नहस किए जा रहा है। कंटीले कैक्टस के कांक्रीट सघन जंगलों में न्यूक्लीयर फेमिली प्रेम और सम्मान में पगे हमारे संयुक्त परिवार की जड़ों को नेस्तनाबूद कर रहे हैं। एक ओर तो हमारे देश के सियासी रहनुमा भारत को फिर से विश्व गुरु, सुपर कंम्प्यूटर और और दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थ व्यवस्था वाला देश बनाने का दावा या लोकलुभावना सपना दिखा रहे हैं वहीं दूसरी ओर अपने घोषित और अघोषित स्वार्थ के लिए ऐसे दुष्कृत्यों का युद्धस्तर पर चौतरफा अभियान छेड़े हुए हैं वसुधैव कुटुंबकम की भारत की संस्कृति प्रदूषित हो रही है। आज राजनीतिक शुचिता तार तार हो रही है, सामाजिक, सांस्कृतिक मयार्दा बेजार हो रही है और चौतरफा आर्थिक, सामाजिक विषमता शर्मसार कर रही है। समाज में मानवीय और नैतिक मूल्यों के पतन से बढ़ती अपसंस्कृति, नशाखोरी, अपराध, बलात्कार और भ्रष्टाचार से देश और समाज गर्त में जा रहा है।

देश का भविष्य यानी युवा नस्ल कालेजों, यूनिविर्सिटीज और स्कूलों के कैंपस नाइट क्लबों फार्महाउसों के नीले समंदर में छई-छपाक कर रही है। लिव इन रिलेशन, समलैंगिकता और लेट मैरिज, संतति और सर्जरी का यंगस्टर्स में बढ़ता ट्रैंड समाज को किस विकास धारा में ले जा रहा है। गर्ल फ्रैंड-ब्याय फ्रैंड और नशे मे उन्मत्त युवाओं का आदर्श वाक्य जैसे ये जिंदगी मिले न दोबारा और अपना सपना मनी मनी हो गया है। एक सर्वे के मुताबिक देश में 7० फीसदी लोग किसी न किसी तरह का नशा कर रहे हैं। इनमें 28 प्रतशित लड़कियां अऔर महिलाएं मदिरा से लेकर ब्राउन शुगर वाला उड़ता पंजाब जैसा नशा क रही हैं।

यदि देश की 37 प्रतिशत जनसंख्या वाले युवा की ऐसी रुग्ण सोच हो तो भला विश्व गुरु का सपना कैसे पूरा होगा। छोटे मियां तो छोटे मियां बड़े मियां शुबहान अल्ला की तर्ज पर युवा क्या अधेड़वय क्लास भी यह सकल कर्म कर रहा है। इनमें सुसभ्य व सुंस्कृत माने जाने वाला तथा अनपढ़ों को गंवारु और जाहिल बोलने वाला पढ़े लिखों का तबका भी इन व्याधियों के मामले में युवाओं का पथप्रदर्शक बना हुआ है। आड़े,तिरछे और शार्ट कट रास्ते से वन टू का फोर कर भ्रष्टाचार और अनचार के लिए शिष्टाचार के चिथड़े उड़ाना आज हमारी संस्कति की पहचान बनती जा रही है। घोर आश्चर्य की बात है कि भ्रष्टाचार और मांड कल्चर से अपने स्टेटस सिंबाल को चमकाने वाला यह तबका विश्वगुरु,वसुधैव कुटुंबमक और सत्यमेव जयते की हमारी संस्कति को किताबी व लफ्फाजी बताते हुए आज न तो इस विषय में कुछ बात करना चाहता है और न कुछ सुनना चाहता है। मुट्ठीभर बचे शरीफ और ईमानदारों को बेवकूफ, बाबा आदम और गांधी की औलाद जैसे लफ्जों से नवाज कर मखौल उड़ाया जाता है। नैतिकता के धरातल के रसातल में जाने में हमारी सियासी कौम सबसे अधिक जिम्मेदार है। समाज यदि भटक रहा है तो इसके नेपथ्य में हमारे राजनैतिक कर्णधार कम जिम्मेदार नहीं है। विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र के नाते कार्यपालिका, व्यवस्थापिका और न्यायपालिक को संचालित करने वाले सियासी पार्टियां यानी सरकारों का राजनीतिक व नैतिक शुचितावान होना जरुरी है। लेकिन क्या नब्बे के दशक से आज तक आर्थिक उदारीकरण से लेकर निजीकरण के इस दौर तक सरकारें ईमानधरम को तवज्जो देती हैं। एक पार्टी मदिरा की होम डिलेवरी करवाती है तो दूसरी अंग्रेजी शराब को सस्ता करने की घोषणा करने को सुशासन बताती है। आज पढ़ा लिखा डिग्री डिप्लोमा धारी और अल्प शिक्षित युवा दिहाड़ी मजदूर बनकर सियासी दलों के पचरम बैनर धामकर नारे लगाने मजबूर है। आखिर देश व समाज की तस्वीर व तकदीर कब बदेलगी। (ये लेखक के अपने विचार हैं)

राज्यपाल ने जन मिलन कार्यक्रम में आमजन की समस्याएं सुनीं

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) ने बुधवार को राजभवन में आयोजित जन मिलन कार्यक्रम के अंतर्गत आमजन की विभिन्न समस्याएं सुनीं और उनके यथासंभव समाधान का आश्वासन दिया। राजभवन में समय-समय पर पूर्व सैनिकों, उनके आश्रितों एवं आम नागरिकों की समस्याएं सुनने तथा उनका समाधान सुनिश्चित करने हेतु जन मिलन कार्यक्रम आयोजित किया जाता है। आज के जन मिलन में दूरस्थ जनपदों ऊधमसिंह नगर, पौड़ी सहित हरिद्वार व देहरादून आदि जिलों से 15 लोगों द्वारा अपनी-अपनी शिकायतें/समस्याएं राज्यपाल के सम्मुख रखीं जिनमें, पेंशन न मिलने, भूमि-विवाद एवं धोखाधड़ी, रोजगार दिलाए जाने से संबंधित, विभिन्न विकास कार्यों और आर्थिक सहायता व अन्य प्रकार की समस्याएं मुख्य रूप से थी।

राज्यपाल ने सभी शिकायतों को गंभीरता से सुना और उपस्थित शिकायत निवारण अधिकारी को निर्देश दिए कि संबंधित जिलाधिकारियों एवं विभागीय अधिकारियों को समस्याएं तत्काल प्रेषित की जाएं तथा शीघ्र निराकरण सुनिश्चित किया जाए। साथ ही शिकायतकर्ताओं को समाधान की स्थिति से अवगत कराने के भी निर्देश दिए गए। राज्यपाल ने कहा कि अधिकतर समस्याएं छोटी व सामान्य प्रकृति की हैं, जिनका समाधान समय पर न होने से आमजन को अनावश्यक परेशानियों का सामना करना पड़ता है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि ऐसी समस्याओं का त्वरित और नियमानुसार निस्तारण प्राथमिकता के आधार पर किया जाए। राज्यपाल ने आश्वस्त किया कि सभी प्रस्तुत समस्याओं का निश्चित समयावधि में समाधान सुनिश्चित किया जाएगा।

बेसमेंट पर कब्जा करने का आरोप

संवाददाता

देहरादून। बेसमेंट पर कब्जा करने का आरोप लगाते हुए मुकदमा दर्ज कराया। पुलिस ने मुकदमें की जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार इंजीनियर एन्क्लेव जाखन निवासी शाहरूख मेहमूद खान ने राजपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसके भवन के बेसमेंट क्षेत्र पर अनुज भास्कर निवासी पैसिफिक गोल्फ एस्टेट, सहस्त्रधारा रोड, देहरादून ने अवैध रूप से ताला लगा दिया है। जब उसने उससे इस बारे में पूछा, तो उसने उसको धमकाया और बीती रात उस पर ईंट से हमला करने की भी कोशिश की. उसके पास पंजीकृत दस्तावेज उपलब्ध हैं, जिनमें स्पष्ट रूप से दर्ज है कि बेसमेंट उसकी संपत्ति का हिस्सा है। उसने अपने इस भवन में स्थित एक फ्लैट वसीम नामक व्यक्ति को बेचा था, जिसने बाद में यह फ्लैट अनुज भास्कर को बेच दिया। लेकिन इस विक्रय में वसीम ने बेसमेंट का कोई उल्लेख नहीं किया, जो कि वसीम और अनुज भास्कर द्वारा रची गई एक साजिश है। इससे यह स्पष्ट होता है कि उनके दस्तावेज अवैध एवं अमान्य हैं. क्योंकि उन्होंने रजिस्ट्री की श्रृंखला को तोड़कर इस सौदे को किया है। सबसे गंभीर चिंता की बात यह है कि उसने इस बेसमेंट में 4 से 5 लाख रुपये मूल्य का सामान रखा हुआ है, जिसकी चोरी होने की संभावना है। अनुज भास्कर एवं वसीम की मंशा पर संदेह है कि वे इस सामग्री को चोरी कर सकते हैं या उसे नुकसान पहुंचा सकते हैं। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

हाउस टैक्स जमा कराने की तिथि बढाने की मांग

संवाददाता

देहरादून। नेताजी संघर्ष समिति ने मेयर से हाउस टैक्स की तिथि बढाने की मांग की। आज यहां नेताजी संघर्ष समिति के उपाध्यक्ष प्रभात डंडरियाल और समिति के प्रमुख महासचिव आरिफ वारसी ने आज एक संयुक्त विज्ञप्ति जारी करते हुए नगर निगम के मेयर सौरभ थपलियाल से मांग की है कि वह हाउस टैक्स जो पच्चीस प्रतिशत छूट के साथ दिया जा रहा है उसमें तिथि बढ़ाई जाए। उन्होंने कहा है कि अप्रैल माह में तो कई छुट्टियां है जिस कारण जनता हाउस टैक्स समय से जमा नहीं कर सकती। उन्होंने मेयर से राज्य आंदोलनकारियों के हाउस टैक्स में छूट देने की मांग की है। उन्होंने उम्मीद जताई है कि मेयर जनता की भावना को देखते हुए हाउस टैक्स जो पच्चीस प्रतिशत के साथ जमा हो रहा है उसमें कम से कम दो माह यानि जून तक बढ़ोतरी कराएंगे ताकि लोग समय से टैक्स जमा करा सकें।

राष्ट्र पहले, बाकी सब बाद में: धामी

विशेष संवाददाता

काशीपुर। मेरे लिए मेरे पिता मेरे पथ प्रदर्शक और प्रेणयता रहे हैं आज भी जब कोई मुश्किल फैसला लेना होता है तो उनकी शिक्षा मेरे बहुत काम आती है। एक सैनिक के जीवन में अनुशासन कठोर मेहनत और कर्तव्य निष्ठा का मतलब क्या होता है? यह मैंने अपने पिता से ही सीखा है।

यह बात आज मुख्यमंत्री धामी ने अपने स्वर्गीय पिता शेर सिंह धामी की पांचवी पुण्यतिथि के अवसर पर आयोजित सैनिक सम्मान समारोह में कहीं। उन्होंने कहा कि वह कहते थे कि सैनिक के जीवन में जो अनुशासन और कठोर श्रम शक्ति की जरूरत होती है वह सिर्फ सैनिकों के लिए ही जरूरी नहीं है व्यक्ति चाहे किसी भी क्षेत्र में काम करें यह बातें उनकी जिंदगी में भी सबसे अधिक महत्व की होती है।

पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि पहले राष्ट्र हित और उसके बाद ही सब कुछ यह बात वह हमेशा कहा करते थे। आज भी उनके द्वारा दी गई शिक्षा मेरे लिए मार्ग प्रदर्शन का काम करती है। मैं अपने कठिन से कठिन फैसले जन भावनाओं को समझ कर और राष्ट्र तथा समाज हित को सर्वोच्च प्राथमिकता पर रखकर करता हूं।

❑पिता से सीखा सेवा, समर्पण और अनुशासन
❑पिता की पुण्यतिथि पर सैनिकों का सम्मान

उन्होंने कहा कि अब वह हमारे बीच नहीं है मेरी माता जी से हर बार उनकी पुण्यतिथि पर पूछता हूं कि हमें क्या करना चाहिए? उनकी भावना को जान समझ कर हमने इस अवसर पर यह सैन्य सम्मान समारोह आयोजित किया है। इस समारोह में मेरे पिताजी के साथ काम करने वाले अनेक लोग मौजूद हैं जो उनके बारे में सब कुछ जानते हैं। मैं सैन्य परिवार से हूं इसलिए उनकी भावनाओं और समस्याओं के बारे में जनता समझता हूं। सैनिकों को वह सम्मान मिलना ही चाहिए जिसके वह हकदार है। इस अवसर पर उन्होंने सभी सैनिकों व वीरांगनाओं का सम्मान भी किया तथा उनके साथ उनकी मां भी मौजूद रही।

चोरी की बुलेट व गिटार सहित एक दबोचा

हमारे संवाददाता

रूद्रप्रयाग। बुलेट व गिटार चोरी मामले का खुलासा करते हुए पुलिस ने एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया है। जिसके पास से चुरायी गयी बुलेट व गिटार बरामद किया गया है।

जानकारी के अनुसार बीती 31 मार्च को मोहित सजवाण पुत्र इन्द्र सिंह निवासी ग्राम भटवाडी (सुनार) ने थाना अगस्त्यमुनि में तहरीर देकर बताया गया था कि 30 मार्च की रात होटल हरीओम स्थान चन्द्रापुरी में सडक के किनारे खड़ी उनकी बुलेट को किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा चोरी कर लिया गया है। मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर चोर की तलाश शुरू कर दी गयी। चोर की तलाश में जुटी पुलिस द्वारा कड़ी मशक्कत के बाद चोर को बीती शाम स्थान सिम्भावली जिला मुजफ्फरनगर से गिरफ्तार किया गया। इसके कब्जे से चुरायी गयी बुलेट बरामद हुई है। इसके साथ ही आरोपी से थाना ऊखीमठ क्षेत्र से चुराया गया गिटार भी बरामद हुआ है। आरोपी ने पूछताछ में अपना नाम उदित उर्फ हिमाशु पुत्र कुलदीप सिंह निवासी ग्राम खानपुर थाना जानी जिला मेरठ (उत्तर-प्रदेश) बताया जिसे न्यायिक अभिरक्षा में जिला कारागार पुरसाड़ी (जिला चमोली) भेजा गया है।

उत्तरकाशी का मथोली गांव बना महिला सशक्तिकरण की मिसाल

कार्यालय संवाददाता

उत्तरकाशी। उत्तरकाशी जनपद में पर्यटकों का रुख आमतौर पर हर्षिल वैली या मोरी- सांकरी की तरफ ही होता है। ऐसे में चिन्यालीसौढ़ ब्लॉक के मथोली गांव की महिलाओं ने अपने आतिथ्य सत्कार और कौशल से गांव को पर्यटकों के लिए नया ठिकाना बना दिया है। यहां होम स्टे संचालन से लेकर विलेज टूर तक महिलाएं ही संचालित करवा रही हैं।

मथोली को पहाड़ के आम गांव से पर्यटक गांव के रूप में बदलने का श्रेय जाता है गांव के युवक प्रदीप पंवार को। प्रदीप पंवार को कोविड 19 लॉकडाउन के दौरान अपना गांव लौटना पड़ा, सौभाग्य से उनके पास पर्यटन क्षेत्र में काम करने का अनुभव था। इसलिए उन्होंने गांव के पास मौजूद अपनी छानी (गौशाला) को होम स्टे में बदल कर, इसे पर्यटकों के लिए खोल दिया। इसी के साथ प्रदीप पंवार ने गांव की महिलाओं को ही होम स्टे संचालन (आतिथ्य सत्कार, भोजन बनाने, ट्रैकिंग, विलेज टूर) का प्रशिक्षण दिया। साथ ही गांव की ब्रांडिंग 'ब्वारी विलेज' के तौर पर की, ताकि महिला सशक्तिकरण का संदेश दूर तक पहुंचे। इस बीच उन्होंने गांव में घस्यारी प्रतियोगिता के जरिए भी, पर्यटकों के लिए विलेज लाइफ की नई झलक प्रस्तुत की। जो पर्यटकों को खूब भा रही है। स्थानीय महिला अनीता पंवार बताती हैं कि गांव में अब अन्य महिलाएं भी अपनी छानियों को होम स्टे में परिवर्तित करने के लिए

❑होम स्टे संचालन से लेकर पर्यटकों को विलेज टूर तक कराती हैं महिलाएं
❑'ब्वारी गांव' के रूप में चर्चित हो रहा है चिन्यालीसौड़ ब्लॉक का मथोली गांव

आगे आई हैं। प्रदीप पंवार बताते हैं कि अब उन्होंने अपने होम स्टे को पर्यटन विभाग में पंजीकृत करवा दिया है, जिससे वो ऑनलाइन बुकिंग भी ले सकते हैं। प्रदीप बताते हैं कि आठ मार्च 2022 से उन्होंने अपने होम स्टे की शुरुआत की थी, इसके बाद से यहां करीब एक हजार पर्यटक आ चुके हैं, जिससे करीब 20 महिलाओं को समय समय पर काम मिलता है।

पर्यटन विभाग के पास इस समय 5331 होम स्टे पंजीकृत हैं। जो ज्यादातर ग्रामीण क्षेत्र में महिलाओं द्वारा संचालित किए जा रहे हैं। सरकार पंडित दीन दयाल उपाध्याय होम स्टे योजना के तहत होम स्टे की लागत पर मैदानी क्षेत्र में 25 प्रतिशत और पहाड़ी क्षेत्र में 33 प्रतिशत तक सब्सिडी प्रदान करती है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि मथोली गांव, ग्रामीण पर्यटन के साथ ही महिला सशक्तिकरण का भी उदाहरण है। यदि गांव का कोई परिवार होम स्टे संचालन के लिए आगे आता है, तो उन्हें पर्यटन विभाग की सभी योजनाओं का लाभ दिया जाएगा। साथ ही पंजीकरण प्रक्रिया में भी सहयोग किया जाएगा। मथोली गांव से अन्य लोगों को भी प्रेरणा लेनी चाहिए।

एक नजर

जो जिम्मेदारी निभा नहीं सकते उन्हें रिटायर होना चाहिएः खड़गे

नई दिल्ली। मल्लिकार्जुन खड़गे ने बुधवार को कांग्रेस नेताओं को तीखा संदेश देते हुए कहा कि जो लोग पार्टी के काम में मदद नहीं करते, उन्हें आराम करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि जो लोग अपनी जिम्मेदारियां नहीं निभाते, उन्हें रिटायर हो जाना चाहिए। अहमदाबाद में साबरमती नदी के तट पर आयोजित अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के 84वें अधिवेशन में अपने अध्यक्षीय भाषण के दौरान मल्लिकार्जुन खड़गे ने इस बात पर भी जोर दिया कि पार्टी संगठन में जिला अध्यक्षों की भूमिका को और बढ़ाया जाएगा तथा उनकी नियुक्ति सख्ती एवं निष्पक्षता से की जाएगी। उन्होंने कहा, संगठन में जिला अध्यक्षों की भूमिका महत्वपूर्ण होने जा रही है। इसलिए उनकी नियुक्ति एआईसीसी के दिशा-निर्देशों के अनुसार सख्ती और निष्पक्षता से की जानी चाहिए। खड़गे ने कहा कि जिला अध्यक्ष को अपनी नियुक्ति के एक वर्ष के भीतर सर्वश्रेष्ठ लोगों को जोड़कर बूथ समिति, मंडल समिति, ब्लॉक समिति और जिला समिति बनानी होती है। उन्होंने कहा कि इसमें कोई पक्षपात नहीं होना चाहिए। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, हमने देश भर के जिला अध्यक्षों की तीन बैठकें भी बुलाईं। राहुल जी और मैंने उनसे बात की और उनकी राय ली। भविष्य में हम चुनावों के लिए उम्मीदवारों के चयन की प्रक्रिया में जिला अध्यक्षों को भी शामिल करने जा रहे हैं। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि फर्क सिर्फ इतना है कि पहले विदेशी लोग अन्याय, गरीबी और असमानता को बढ़ावा देते थे, अब हमारी अपनी सरकार ऐसा कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया, तब विदेशी लोग सांप्रदायिकता का फायदा उठाते थे, आज हमारी अपनी सरकार इसका फायदा उठा रही है। लेकिन हम यह लड़ाई भी जीतेंगे।

नाइट क्लब की छत गिरी, 79 की मौत

नई दिल्ली। डोमिनिकन रिपब्लिक के सैंटो डोमिंगो के मशहूर जेट सेट नाइटक्लब में छत गिरने से 79 लोगों की मौत हो गई। हादसा मंगलवार सुबह हुआ, जब नाइटक्लब में लाइव मेरेंगे कॉन्सर्ट हो रहा था, जिसमें सैकड़ों लोग मौजूद थे। घटना में 160 से ज्यादा लोग घायल भी हो गए हैं। घटना से पहले सामने आए एक वीडियो में देखा जा सकता है कि किस तरह अचानक छत गिरते ही चीख-पुकार मच गई। घटना से कुछ समय पहले रिकॉर्ड किए गए वीडियो में देखा गया कि मस्ती के बीच दर्शक अनजान थे कि ऊपर मौत मंडरा रही है. कुछ ही समय में, नाइटक्लब की छत गिर गई और सदन में मौजूद सैकड़ों लोग मलबे के नीचे फंस गए. रेस्क्यू टीमें तुरंत घटना स्थल पर पहुंची और बचाव कार्य शुरू किया।

वक्फ बिल पर आप व भाजपा विधायकों के बीच जमकर बवाल !

जम्मू। वक्फ कानून को लेकर जम्मू-कश्मीर विधानसभा में बुधवार को एक बार फिर हंगामा देखने को मिला। यहां भारतीय जनता पार्टी और आम आदमी पार्टी के विधायकों के बीच जमकर बवाल हुआ है। नौबत मारपीट तक पहुंच गई है। जिसके बाद विधानसभा की कार्यवाही तीन घंटे के लिए स्थगित कर दी गई। दरअसल, नेशनल कॉन्फ्रेंस के विधायकों द्वारा वक्फ अधिनियम पर चर्चा की मांग की थी, जिसके बाद विपक्षी और भाजपा सदस्य आमने-सामने आ गए और एक-दूसरे के खिलाफ लामबंद नजर आए। बुधवार सुबह, एनसी सदस्य एक बार फिर वेल में पहुंचे और वक्फ मुद्दे पर चर्चा की मांग की। साथ ही, भाजपा के बलवंत सिंह मनकोटिया ने बेरोजगारी को दूर करने के लिए स्थगन प्रस्ताव रखा। हालांकि, अध्यक्ष ने इस प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया, यह कहते हुए कि यह कोई ताजा मुद्दा नहीं है। इस दौरान उन्होंने भाजपा सदस्य सुनील भारद्वाज को अपना प्रश्न पूछने के लिए कहकर कार्यवाही शुरू करने का प्रयास किया। जबकि, सत्ता पक्ष और विपक्ष की ओर से वक्फ तथा बेरोजगारी के मुद्दों पर चर्चा के समर्थन में नारेबाजी भी हो रही थी। एनसी विधायक नजीर अहमद खान गुरेजी ने अध्यक्ष से अनुरोध किया कि वे अपनी विवेकाधीन शक्तियों का उपयोग करके आध घंटे की चर्चा की अनुमति दें, जिससे सदन की कार्यवाही सुचारू हो सके। गुरेजी ने वक्फ संशोधन अधिनियम को मुसलमानों के लिए अन्यायपूर्ण बताया और भाजपा पर बेरोजगारी के मुद्दों को एक विकर्षण के रूप में उठाते हुए हिंदू-मुस्लिम मामलों का राजनीतिकरण करने का आरोप लगाया। गुरेजी ने आगे आरोप लगाया कि भाजपा एक दशक से सत्ता में है और उन्हें अपने कार्यकाल के दौरान प्रदान की गई रोजगार का हिसाब देना चाहिए।

मकान में हुआ जोरदार धमाका, पांच घायल

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। धर्म नगरी हरिद्वार में आज सुबह एक मकान में जोरदार धमाका होने से क्षेत्र में हड़कंप मच गया। धमाका इतना तेज था कि मकान की दीवारें भी मौके पर ही गिर गई। इस घटना में मकान के अंदर मौजूद पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। जिन्हें अस्पताल पहुंचाया गया जहां उनका उपचार जारी है।

मकान में जोरदार धमाका होने का यह मामला श्यामपुर के गाजीवाली क्षेत्र का है। बताया जा रहा है कि आज सुबह हुए इस धमाके के बाद आसपास के लोग भी आवाज सुनकर घरों से बाहर निकल आए और मकान में मौजूद घायल पांच लोगों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया जहां उनका उपचार जारी है। वही घटना की सूचना मिलने पर पुलिस और फोरेंसिक टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल को सील कर दिया। फिलहाल धमाके के कारणों का पता नहीं चल सका है वहीं पुलिस कई एंगलो से मामले की जांच में जुटी हुई है। बताया जा रहा है कि पहले आशंका घर में सिलेंडर फटने की लगाई जा रही थी लेकिन घर में सिलेंडर सुरक्षित बताए जा रहे हैं। बहरहाल पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

डम्पर खाई में गिरा चालक की मौत

हमारे संवाददाता

उत्तरकाशी। सड़क दुर्घटना में बीते रोज एक डम्पर के खाई में गिर जाने से जहां चालक की मौत हो गयी वहीं एक व्यक्ति गम्भीर रूप से घायल हुआ है। सूचना मिलने पर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर घायल को अस्पताल पहुंचाया जहां से उसे हायर सेंटर रैफर कर दिया है।

सड़क दुर्घटना का यह मामला तहसील बड़कोट के अंतर्गत नौगांव केवल मोटर मार्ग गातु के पास का है। जानकारी के अनुसार बीते रोज एक डम्पर सड़क से 500 मीटर खाई में गिर गया जिसमें वाहन चालक की घटनास्थल पर मौत हो गई जबकि वाहन में सवार एक व्यक्ति गंभीर घायल हुआ है। जिसे हायर सेंटर रेफर किया गया है। बताया जा रहा है कि नौगांव से एक डंपर रोड़ी भरकर जादणु पहुंचाने के लिए जा रहा था। इसी दौरान जादणु मोटर मार्ग पर वाहन अनियंत्रित होकर 500 मीटर गहरी खाई में जा गिरा। हादसे में वाहन चालक की घटना स्थल पर ही मौत हो गई और अन्य एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना मिलने पर पुलिस और रेस्क्यू टीम मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से घायल को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र डामटा पहुंचाया गया। जहां डॉक्टरों ने उसकी गंभीर हालत को देखते हुए उसे हायर सेंटर रेफर कर दिया है।

कार डिवाइडर से टकराई, एक की मौत दो घायल

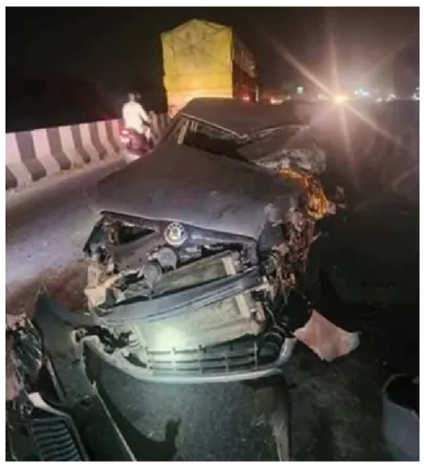

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। सड़क दुर्घटना में आज सुबह एक तेज रफ्तार कार के अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा जाने से जहां एक व्यक्ति की मौत हो गई वहीं दो गंभीर रूप से घायल हुए हैं। सूचना मिलने पर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर घायलों को अस्पताल पहुंचाया जहां उनकी हालत चिंताजनक बनी हुई है।

सड़क दुर्घटना का यह मामला बहादराबाद थाना क्षेत्रांतर्गत रानीपुर झाल के पास का है। जानकारी के अनुसार आज सुबह एक तेज रफ्तार कार रानीपुर झाल के पास डिवाइडर से टकरा गई। हादसा इतना जबरदस्त था कि कार सवार एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई जबकि दो गंभीर रूप से घायल हुए हैं। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर घायलों को अस्पताल पहुंचाया जहां उनकी हालत चिंताजनक बनी हुई है। मृतक की शिनाख्त के प्रयास किये जा रहे है वहीं पुलिस दुर्घटना के मामले की जांच में जुट गई है।

बैंक के बाहर खड़ी स्कूटी चोरी

संवाददाता

देहरादून। चोरों ने बैंक के बाहर खडी स्कूटी चोरी कर ली। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार नत्थुवाला निवासी शिवम सजवाण ने डोईवाला कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह किसी काम से मियांवाला चौक स्थित पीएनबी बैंक गया था। उसने अपनी स्कूटी बैंक के सामने खडी की थी। लेकिन जब वह थोडी देर बाद वापस आया तो उसने देखा कि उसकी स्कूटी अपने स्थान से गायब थी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

खेतों से पानी की मोटर चुराने वाले तीन गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। किसानों की खेतों से पानी की मोटर चोरी करने वाले 3आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जिनके पास से चुरायी गयी चार मोटर, केबिल तार व दो बाइक व एक कार बरामद की गयी है।

जानकारी के अनुसार बीते 8 अप्रैल को प्रविन्द्र कुमार पुत्र भोपाल सिंह निवासी ग्राम प्रह्लादपुर द्वारा थाना खानपुर में तहरीर देकर बताया गया था कि 7-8 अप्रैल की रात अज्ञात चोरों द्वारा उनके व अन्य किसानों के खेतो से पानी की मोटर व तार चोरी कर ली गयी है। जिससे किसानों को काफी परेशानी हो रही है। मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर चोरों की तलाश शुरू कर दी गयी। चोरों की तलाश में जुटी पुलिस टीमों द्वारा कड़ी मशक्कत के बाद शेरपुर बस अड्डे पुरकाजी मुजफ्फर नगर से स्थानीय नागरिकों व पुलिस की मदद से 3 आरोपियों को पकड़ लिया गया। सख्ती से पूछताछ करने पर आरोपियों के कब्जे से चोरी की गई 4 विद्युत पानी की मोटर व चोरी में घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल व कार बरामद की गई है। गिरफ्तार चोरों के नाम लवप्रीत सिंह पुत्र कश्मीर सिंह निवासी ग्राम तुगलपुर थाना खानपुर, दविन्द्र सिंह पुत्र सुब्बा सिंह निवासी ग्राम तुगलपुर थाना खानपुर जनपद हरिद्वार व दविन्द्र सिंह पुत्र साहब सिह निवासी ग्राम बढ़ीवाला थाना पुरकाजी उत्तर प्रदेश बताये जा रहे है।

आर.एन.आई.- 59626/94
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।
प्रधान संपादक
कांति कुमार
संपादक
पुष्पा कांति कुमार
समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार
कानूनी सलाहकारः
वी के अरोड़ा, एडवोकेट
बैजनाथ, एडवोकेट
कार्यालयः दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808
नोटः सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।